20th New Delhi World Book Fair

| Newspaper | Edition | Date | Page |
| --- | --- | --- | --- |
| NAI DUNIYA | Delhi | 26.02.2012 | 2 |


# 'समाज को सुसंस्कृत बनाना होगा'

## कपिल सिब्बल ने किया 20वें विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने कहा है कि हमें अपने समाज को एक सुसंस्कृत समाज बनाना होगा। शनिवार को श्री सिब्बल ने ये बातें प्रगति मैदान में 20वां विश्व पुस्तक मेले के उद्घाटन के मौके पर कही। उन्होंने यह भी इच्छा जताई कि हमारे बच्चे कंप्यूटर टेबलेट आकाश पर पुस्तक पढ़ सकें और इसके लिए उन्हें कोई पैसा नहीं देना पड़े।

- प्रगति मैदान में नौ दिनों तक चलेगा मेल
- सिब्बल ने हर साल मेले के आयोजन की जताई इच्छा, तीन ब्रेल पुस्तकों का लोकार्पण

श्री सिब्बल के उद्घाटन के साथ ही नौ दिन तक चलने वाला मेला शुरू हो गया। उन्होंने नेशनल बुक ट्रस्ट की ओर से आयोजित मेले के अतीत को भी बखूबी याद किया और कहा कि आज यह मेला अफ्रो-एशियन देशों में होने वाले पुस्तक मेलों में सबसे बड़ा है। केवल भारत ही ऐसा देश है जहां करीब 40 भाषाओं में पुस्तकें प्रकाशित की जाती है। उन्होंने इच्छा जताई कि यह मेला दो साल के बजाय हर साल हो। मेले में श्री सिब्बल ने एन इंटरनेशनल कैटलॉग ऑन इंडियन सिनेमा और तीन ब्रेल पुस्तकों का लोकार्पण भी किया।

प्रमुख उड़िया लेखक प्रो मनोज दास ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि अनुवाद के माध्यम से आज हम दूसरी भाषाओं के साहित्य को पढ़ और समझ पाते हैं। जेएनयू की प्रोफेसर मृदुला मुखर्जी ने विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों की चर्चा करते हुए कहा कि वे लोग अच्छे पाठक ही नहीं, लेखक भी थे। कार्यक्रम के अंत में ट्रस्ट के अध्यक्ष विपिन चन्द्र और निदेशक एमए सिकन्दर ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

### डीवीडी में समाया विषयों का पाठ्यक्रम



नई दिल्ली। आधुनिक तकनीक का ही कमाल है कि बच्चों को किताबों के बजाय डीवीडी में अपने सभी विषयों का पाठ्यक्रम मिल रहा है। प्रकाशकों ने पहली कक्षा से 12 वीं तक के सभी विषयों पर अलग अलग डीवीडी पेश किए हैं। एस चांद एंड कंपनी के हॉल संख्या 12-ए स्थित स्टॉल पर उपस्थित उप महाप्रबंधक मल्टीमीडिया ने बताया कि डीवीडी से बच्चों को पढ़ने में ज्यादा आसानी होती है। 2-डी व 3-डी इफेक्ट के साथ तैयार की गई डीवीडी में एक्टिविटी आधारित विषय पेश किए गए हैं। मेले के दौरान इन उत्पादों पर 20 फीसदी तक की छूट दी जा रही है।

### ई-युग में खरीद-बिक्री का प्लेटफार्म

नई दिल्ली। मेले में पुस्तक प्रेमियों के लिए ऑनलाइन बिक्री और खरीदारी के लिए प्रकाशन से जुड़ी कंपनियां भी मैदान में हैं। लिब्रसिस पहली बार बड़े पैमाने पर पुस्तकों की खरीद बिक्री, संग्रहण और साझेदारी के लिए ई कॉमर्स का प्लेटफार्म मुहैया करा रहा है। हॉल नं 12 ए में पाठकों, प्रकाशकों और शिक्षण संस्थानों के लिए कई तरह सुविधा है। बिजनस एग्जीक्यूटिव राहुल भाटिया ने बताया कि यहां ग्राहकों को निःशुल्क रजिस्ट्रेशन का ऑफर दिया जा रहा है। ये लिब्रसिस की साइट पर आकर पुस्तकों को खरीद और बेच सकते हैं। वहां अपनी पसंदीदा लाइब्रेरी भी बना सकते हैं। एक दूसरे से किताबों का साझा भी कर सकते हैं। कंपनी की सॉफ्टवेयर देश की कई नामचीन पुस्तकालय इस्तेमाल में भी ला रही हैं। इसके अलावा मेले में कई और कंपनियां भी डिजिटल युग में ई-बुक का प्रचलन बढ़ाने पर जोर दे रही हैं।

### पहले ही दिन से चल पड़ा किताबों के विमोचन का सिलसिला

नई दिल्ली। विश्व पुस्तक मेले में पहले दिन से ही पुस्तकों से लोकार्पण का सिलसिला शुरू हो गया। हिन्दी और अंग्रेजी के विभिन्न स्टॉलों कई पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। लेखकों का पाठकों से मुलाकात का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। राजकमल प्रकाशन ने वरिष्ठ आलोचक नामवर सिंह की चार किताबों का लोकार्पण किया। इसमें साहित्यकार विश्वनाथ त्रिपाठी, अशोक वाजपेयी, मुरली मनोहर प्रसाद सिंह व पुरुषोत्तम अग्रवाल जैसे कई गणमान्य लोग मौजूद थे। रविवार को यहां 4 बजे जावेद अख्तर पाठकों से मिलने आएंगे। इससे पहले सुबह इंडिया हैबिटेट सेंटर में उनकी पुस्तक लावा का लोकार्पण होगा। हॉल नम्बर 11 में वाणी प्रकाशन के स्टॉल पर भी कई लेखकों और साहित्यकारों के आने जाने का सिलसिला चलता रहा। यहां आलोचक निर्मला जैन, फिल्म समीक्षक के विक्रम सिंह आदि पाठकों से मुलाकात कार्यक्रम में पहुंचे। रविवार को यहां अनुजा चौहान की पुस्तक विज्ञापन हॉट काम का लोकार्पण किया जाएगा। अनुभव प्रकाशन पर वरिष्ठ साहित्यकार रामदरश मिश्र ने प्रताप सिंह की पुस्तक सिनेमा का जादुई सफर का लोकार्पण किया। इस मौके पर मनमोहन बाबा, फजन माथुर, रवींद्र वर्मा और केवल गोस्वामी जैसे कई लेखक मौजूद थे। संचालन श्याम निर्मम ने किया।

20th New Delhi World Book Fair

| Newspaper | Edition | Date | Page |
|---|---|---|---|
| Dainik Jagran | Delhi | 26.02.2012 | 08 |

# प्रगति मैदान में पुस्तक मेला शुरू

[illegible]

20वां विश्व पुस्तक मेला



केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल ने रविवार को 20वें विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन किया।

[illegible]

## आज एक साथ देख सकते हैं तीन मेले

[illegible]

# भारतीय सिनेमा पर आधारित साहित्य का अनूठा संग्रह

सुधीर कुमार, नई दिल्ली

[illegible]

विश्व पुस्तक मेले के थीम पैवेलियन में सत्यजीत रे सहित प्रसिद्ध निर्देशकों द्वारा उपयोग किया गया 35 एमएम का कैमरा। मनोज कुमार

[illegible]

## भारतीय सिनेमा के सौ वर्ष पूरे होने पर पुस्तक का विमोचन

[illegible]

# 20th New Delhi World Book Fair

| Newspaper | Edition | Date | Page |
|---|---|---|---|
| THE ASIAN AGE - DELHI SPECIAL | Delhi | 26.02.2012 | 1 |

Union HRD minister Kapil Sibal releases a book at the inauguration of the World Book Fair at Pragati Maidan in New Delhi on Saturday. Nehru Memorial Museum and Library director Mridula Chatterjee is also seen. — *ASIAN AGE*

# Sibal dream: Every child must have Aakash

**New Delhi, Feb. 25:** The 20th World Book Fair in the city began on an optimistic note on Saturday with Union human resources development Minister Kapil Sibal announcing that efforts were on to make the biennial fair an annual affair. He inaugurated the nine-day book fair, being held Feb 25-March 4, at the Hamsadhwani open air theatre at Pragati Maidan.

Mr Sibal said the government would try to host the fair every year given its increasing popularity and growing status as one of the most important book-related events in the Afro-Asian region.

The National Book Trust which hosts the fair has been trying to persuade the government to make the fair an annual event for several years.

**WORLD BOOK FAIR OPENS**

Addressing the gathering at the inauguration, Mr Sibal said: "India is the third largest publisher of English books after the US and UK."

Citing figures, Mr Sibal said the country published at least 1,00,000 books in different languages annually. The HRD minister said that children in India should have access to information free of cost.

"My dream is to see that every child in this country has an Aakash tablet computer," he said.

He said: "One of the reasons for keeping the price of the tablet computer reasonable (₹2,500) was to ensure that it reached everyone."

The minister praised the efforts of the NBT in "making the fair on par with the best in the region".— *IANS*

# 20th New Delhi World Book Fair

| Newspaper | Edition | Date | Page |
|---|---|---|---|
| INDIAN EXPRESS | Delhi | 26.02.2012 | 5 |

## DELHI BOOK FAIR

Reading enthusiasts at the Delhi Book Fair, which opened to the public on Saturday. TASHI TOBGYAL

# 100 years of cinema as book fair theme

**EXPRESS NEWS SERVICE**
NEW DELHI I FEBRUARY 25

THE biennial Delhi book fair was opened to the public on Saturday, celebrating 100 years of Indian cinema and themed on the relationship between literature and cinema.

Inaugurating its 20th edition, Union HRD Minister Kapil Sibal said the government was planning to hold the event every year "given its increasing popularity and growing status as one of the most important book-related events in the Afro-Asian region". This year's fair has a specially designed pavilion dedicated for exhibiting selected 300 books, panel discussions, book launches and workshops on cinema.

As many as 1,300 exhibitors are participating in the fair, which will feature the works of some of the world's most acclaimed authors.

# 20TH NEW DELHI WORLD BOOK FAIR 2012

| Newspaper | Edition | Date | Page No. |
|---|---|---|---|
| THE TRIBUNE | Delhi | 5.03.2012 | 3 |

**Visitors throng the book fair at Pragati Maidan in New Delhi on the last day of the event on Sunday.** Tribune photo: Manas Ranjan Bhui

## Book fair ends

**NEW DELHI, MARCH 4**

Focused on youth and children, the biennial World Book Fair New Delhi, organized by the National Book Trust (NBT) concluded Sunday, after registering over 700,000 visitors.

"We organized the fair to promote book-mindedness among people and to showcase the strengths and diversity of Indian book trade with its multilingual profile," said NBT director M.A. Sikandar.

The fair commemorated three important events - 100 years of Indian Cinema, 100 years of Delhi as the national capital and the 150th birth anniversary of Nobel laureate Rabindranath Tagore.

A catalogue including 300 titles representing publications of 800 publishers in all major languages based on Indian cinema was released by NBT.

The catalogue contains information about copyright and contact details for rights enquires that will help publishers around the world get information about the rights to publish or translate any of the books based on Indian cinema.— IANS

# 20TH NEW DELHI WORLD BOOK FAIR 2012

| Newspaper | Edition | Date | Page No. |
|---|---|---|---|
| AMAR UJALA | Delhi | 5.03.2012 | 2 |

कुमार संजय

विश्व पुस्तक मेले के अंतिम दिन रविवार को पुस्तक प्रेमियों का प्रगति मैदान में खूब जमावड़ा लगा।

प्रगति मैदान में आयोजित 20वां विश्व पुस्तक मेला संपन्न

# फिर मिलने का वादा, विदा हुआ पुस्तक मेला

अमर उजाला ब्यूरो

**नई दिल्ली।** प्रगति मैदान में आयोजित 20वां पुस्तक मेला रविवार को संपन्न हो गया। छुट्टी और मेले के अंतिम दिन के कारण पुस्तक प्रेमियों की भीड़ उमड़ी। नेशनल बुक ट्रस्ट की तरफ से आयोजित मेले में 1300 भारतीय प्रकाशक के अलावा 30 देशों की भागीदारों ने हिस्सा लिया। मेले में कई पुस्तकों का अलग-अलग प्रकाशकों के स्टॉल पर विमोचन किया गया।

मेले में सुबह से ही पुस्तक प्रेमियों की भीड़ देखने को मिली। बाल मंडप में परिजनों के साथ पहुंचे बच्चों ने ज्ञानप्रद किताबें खरीदीं। नेशनल बुक ट्रस्ट की तरफ से बताया गया कि पिछले वर्षों के मुकाबले मेला अधिक सफल रहा है। खरीददारों की भीड़ बढ़ी है। इससे यह स्पष्ट है कि इंटरनेट एवं डिजिटल युग में भी पुस्तक प्रेमी कम नहीं हुए हैं। बाल मंडप में भोपाल की संस्था एकलव्य ने कबाड़ से जुगाड़, आओ जादू सीखें कार्यक्रम आयोजन के साथ पुस्तक पर आधारित लघु नाटिका का मंचन किया गया। रवीन्द्रनाथ टैगोर की 150वीं जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में लगाए गए साहित्य अकादमी की ओर से लगाए विशेष पेवेलियन में दर्शक टैगोर लिखित व उन पर लिखित पुस्तकों, पोस्टर और पेंटिंग से रूबरू हुए। नेशनल बुक ट्रस्ट के निदेशक एमए सिकंर ने ट्रस्ट के नए वेबसाइट संस्करण का विमोचन किया। जबकि राज्यसभा सांसद तरुण विजय की पुस्तक का डा. नामवर सिंह ने विमोचन किया। इसके अलावा हरियाणा के राज्यपाल जगन्नाथ पहादिया ने हरियाणा शीर्षक से लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया।

डा. नामवर सिंह ने रविवार को राज्यसभा सांसद तरुण विजय की पुस्तक का विमोचन किया।

वहीं, संत राजिन्दर सिंह की पुस्तक स्पार्क ऑफ द डिवाइन (दिव्य चिंगारी) का विमोचन किया गया। साधन कृपाल रुहानी मिशन की तरफ से आयोजित सम्मारोह में डायमंड पॉकिट बुक्स के चेयरमैन एनके वर्मा ने संत राजिन्दर सिंह को पुस्तक भेंट की।

# 20TH NEW DELHI WORLD BOOK FAIR 2012

| Newspaper | Edition | Date | Page No. |
|---|---|---|---|
| DAINIK JAGRAN - CITY | Delhi | 5.03.2012 | 1 |

# अंतिम दिन पुस्तक मेले में उमड़ी भीड़

## परिवार के साथ पहुंचे लोग, किताबें खरीदीं और लेखकों से हुए रुबरु

• हॉल दूर-दूर होने के चलते लोगों को परेशानी भी उठानी पड़ी

**नई दिल्ली, जागरण संवाददाता :** विश्व पुस्तक मेले के अंतिम दिन बड़ी संख्या में पुस्तक प्रेमी प्रगति मैदान में जुटे। उन्होंने यहां किताबें खरीदीं और रंगारंग कार्यक्रम का लुत्फ उठाया।

पुस्तक मेले का अंतिम दिन रविवार होने की वजह से कई लोग परिवार के साथ किताबें खरीदने पहुंचे। लोगों ने पसंद की किताबें ढूंढने व खरीदने में काफी वक्त बिताया। हालांकि हॉल के काफी दूर-दूर होने की वजह से लोगों को काफी तकलीफ भी उठानी पड़ी। लोग एक दिन में सभी हॉल तक पहुंच नहीं पाए। मेले में लोगों को जहां कई फिल्मी हस्तियों से मिलने का मौका मिला वहीं, मशहूर लेखकों से भी वे रूबरू हुए। रोजाना पुरानी फिल्में देखने का मौका मिला। रविवार को चारूलता, उसकी रोटी और अतिथि फिल्में दिखाई गई। प्रसिद्ध वास्तुशास्त्री खुशदीप बंसल की सवा लाख रुपये की पुस्तक महावास्तु भी आकर्षण के केंद्र में रही। फिल्म अभिनेत्री नेहा धूपिया ने इसका विमोचन किया गया था। मेले के दौरान सैकड़ों पुस्तकों का विमोचन हुआ। जिनमें कानून, फिल्म, कथा, उपन्यास, कविता संग्रह, बाल पुस्तकें, लाइफ स्टाइल से जुड़े पुस्तकें शामिल थीं। कहानियों और पाठ्य पुस्तकों की सीडी भी बच्चों को खूब भाई। वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने वाले अंग्रेजी व्याकरण के शिक्षक संजय कुमार सिन्हा मेले के दौरान लगातार बच्चों को पढ़ाकर उनका टेस्ट लेते रहे। बच्चों के लिए कई रोचक व ज्ञानवर्धक कार्यक्रम हुए। अंत में साहित्य कला परिषद द्वारा गुजरात का डांडिया, गरबा, हरियाणा के धमल और भूमर तथ महाराष्ट्र के लावणी नृत्य की प्रस्तुति हुई। फिर म्यूजिक बैंड द्वारा प्रसिद्ध हिंदी गीत की प्रस्तुति से मेले का समापन हुआ।

विश्व पुस्तक मेले के अंतिम दिन पुस्तक प्रेमियो की जुटी भीड़ । ध्रुव कुमार

**'सेवन लिव्स वन ऑटम' का विमोचन :** कवयित्री सुकृनिता पॉल कुमार और सविता सिंह द्वारा संपादित पुस्तक 'सेवन लिव्स वन ऑटम' का विमोचन वरिष्ठ कवि केकी दारुवाला ने किया। इस संग्रह में कई अंतरराष्ट्रीय कवियों की रचनाएं है। इसके अलावा राजकमल द्वारा उड़िया और बांग्ला से अनूदित पांच पुस्तकों का भी लोकार्पण हुआ।

**रूसी लेखक पहुंचे मेले में :** पिजन बुक्स और जीबीडी बुक्स के स्टॉल पर रूसी लेखक इवान इगोरोव पहुंचे। ब्रह्मांड पर लिखी इनकी पुस्तकों की सीरीज का हिंदी अनुवाद का विमोचन किया गया। अनुवाद रजत चावला ने किया है। इसके अलावा यहां 14 अन्य पुस्तकों का भी लोकार्पण हुआ। इवान ने पाठकों से भी बातचीत की।